

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
गणेशाय नमः
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
गणेशाय नमः
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मंजुशकरकृतमहानिलवर्णमिष
 माभिमतान्न॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 मिषद्वयवर्णमिषद्वयवर्णमिष
 मंजुशकरकृतमहानिलवर्णमिष
 मंजुशकरकृतमहानिलवर्णमिष

व.

०१

भक्तपमवगमवमजेभवेश्वरभव
 किरेनंऊऊऊऊ॥ परमपरपगमव
 ब्रह्मज्ञानमरुतकुभाजेरादि॥ धादुमि
 कंमगीरटगा॥ सुद्धेभिवृद्धिभिसुमलेभि
 ॥ कृमस्वस्वपरमाभादरुयभाजा॥ ३३

ब्रह्मविद्याममायुः॥ ॐ सुषगौरुसमत
 कंलिहउ॥ ॐ लीलागुरुकायितलभापि
 ललेका॥ लीकातीउर्देगिनिउउसुगमगुमा
 ॥ बालादिउमेलिमभानहउिपुहं॥ गी
 गीमश्वाभमरुताहीमकमीरे॥ १॥ ३३

03

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ਤਿਠਾਹੁ॥ ਗੀਰੀ॥ ੩॥ ਯਸ੍ਮੈ ਤ੍ਵੰ ਮਸੇਖੰ
ਲਿਮਾਲੇ॥ ਅੰਤ੍ਰਿਯੁਕਤਾਪਿ ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤ੍ਰੰ
॥ ਤਮਸਾ ਦ੍ਰੁਸ਼੍ਣਨ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ੰ ਗਮਨੀਯੰ॥ ਗੀਰੀ
ਰੁ॥ ਸੁਮਾਪਮਲ੍ਲੋ ਸਵਿਨਾ ਸੰ ਵਿਦਯਾਨੰ॥ ਪਾ
ਦਮ੍ਲੋ ਗਾਇਤ੍ਰਿ ਪ੍ਰਸਾਦੰ ਪ੍ਰਸਾਦੰ॥ ਰਿਖੀ

गौरी

भीमावाङ्मङ्गलं गङ्गा मङ्गलं गङ्गा ॥ गौरी ॥ ५ ॥
भलाया गङ्गा नितुवष्टा विप्रगङ्गा ॥ भारंगमा च
यमविजयल्ललिताङ्गी मा ॥ सुलाञ्छनां भु
ङ्गेतु गङ्गां नमस्तु ॥ गौरी ॥ ६ ॥ मन्त्रायाम् न
मि तु मन्त्रमि तु वङ्गा ॥ मन्त्रायाम् लल्लुतु लै

लल्लकङ्कलमा ॥ उम्मेयैयुहविउयामा
ल्लयामा ॥ गौरी ॥ १ ॥ मन्त्रिहारा मन्त्रभुङ्गा
विल्लमङ्गी ॥ कुतेकुतेकुतकमभुंयमविडी
मा ॥ मन्त्रवङ्गनमभुंयिङ्गातुकिमाङ्गा ॥ गौ
री ॥ ३ ॥ यष्टाङ्गलैलीनमापंङ्गाकुयेकुयः
ल्लगङ्गाङ्गा

गौरी

उरुमुक्तुमेव॥ यद्वाभावेतंमुक्ति
कामंविदुर्गती॥ गौरी॥०॥ निष्टामर्तेनि
कुलपकेरागमीम॥ मन्त्रादीयमृम
नविपैमंकरलम॥ विपुत्रालक्ष्मीन
मीलामिवधती॥ गौरी॥०॥ अतःकाले

कवविमन्त्रः॥ अलिपानामुक्तानिहंणल्प
तिगीगीममकंयः॥ कामेभिर्द्विमम
तिमन्त्रैःमिवधती॥ उष्ट्रावष्टयवउष्ट
तीविमयाति॥००॥ इतिगीगीमकंम
माधुमा॥ अतर्मेल्ललाकगवर्तेनमेन

मे

ॐ ला.

३०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुलोकानि विभक्त
विभक्तकीलेरुक्तकारि ॥ सुलभापिनमैभु
ॐ ॥ सुलभापिभक्तसुलभापि
मललेमने ॥ सुलाउरोमळउरी ॥ सुला
लिङ्गननमैभुते ॥ ३ ॥ सुलाकगलि

नीनाम ॥ सुलोकवर्णारि ॥ विरूभा
कीम्वक्त्यापि सुलभापिनमैभुते ॥ ३ ॥ सु
लाभापिभक्तसुलभापि करिभिंदवदि
नी ॥ सुलाठगवतीपुत्र सुलभापिन
मैभुते ॥ ४ ॥ भिंदपनमळमैभुते ॥ सुभा

सुला

33

इमं भूमातिनि॥ सुलेमकालमक
ने सुलामपिनमैमुते॥ ५॥ सुलीम
वरागमाता सुलायुग्यातिनी॥ म
द्विणीयझिनीऊते सुलामपिनमैमु
ते॥ ६॥ गऊमचुमकाऊरेयगगानि

गममे॥ ऊवमैकेमेमकागीहो सुलाम
पिनमैमुते॥ १॥ मप्रमप्रऊरेऊरुम
गमग्यातिनी॥ सुलीकालमकाऊरे॥
सुलामपिनमैमुते॥ ३॥ विमिडाऊरुलसु
लेऊममऊमुऊगा॥ नीलेयलाहिम

सुला
३३

सुमे॥ सुलामपिनमैमुते॥७॥ सुलाम
लापरमते॥ सुलेतिहंमगाभिनी॥ सु
लेठगवतीवृद्धेसुलामपिनमैमुते॥
०॥ रिक्तलममवयसुलायचउवाभि
नी॥ कालगारिमजकालि॥ सुलामपि

नमैमुते॥००॥ कौमारीकथमममना
मजककरावादिनी॥ मल्लमरुयगे
विष्टलामपिनमैमुते॥०३॥ यैगज
यैमजयैगे॥ मज्जमालाविकुधि
लि॥ मंशूकगलवमनेसुलामपि

मागः

नि॥ म॥ मानवाभिनि॥ ऊँ छुं रिति॥
कालायनि॥ काटयनि॥ दिभगिरित्तये
॥ ऊभागभागः॥ गौविठुगिनि॥ मि
उकटुठुल॥ मुश्चरुमरुगो॥ रुगागव
स्यमभित्तो॥ केयुगदगठुल॥ सा

य॥ पिङ्गा॥ रिम्लल॥ मङ्गा॥ रुभम॥
मधक॥ कलम॥ कपाल॥ पट्टुङ्गा॥ म
रु॥ मभल॥ उमरु॥ मरुदसे॥ रुपा
भरुउविगद॥ मद्रिके॥ मधुधरु
किगउवेम॥ ब्रह्मलि॥ रुमलि॥ नागय

मार्गः

३५

लि॥ ब्रह्म'मालि॥ मिहउयविमयि।
नि॥ वेमभागाः॥ गायति॥ भावति॥ मन्त्र
ति॥ मन्त्रापाः॥ मन्त्रेष्टति॥ विष्टेष्टति॥ वि
ष्टकतः॥ ममापि विष्टातिमये॥ मिमये॥ मि
तामलि॥ भक्तये॥ कैवल्ये॥ मिमिवभुक्त

ये॥ निगमये॥ निरुपायिमये॥ ब्रह्मवि
भूमकेष्टनमिउ॥ मेष्टनि॥ उष्टलि॥ क
यष्टनमिनि॥ मिडिमउष्टमविनि॥
कालेकालकिष्टमविनि॥ कालगिमि
पि॥ कालगउ॥ मणानिउ॥ मिष्टगउउ॥

मार्ग

३७

येमरुते॥ येगीमृगनमिउ॥ रुऊएनव
मले॥ मरुधिये॥ कारिणि॥ रुले॥ रुत्त
ये॥ डिगले॥ मरुह॥ डिउ॥ ऊरुमेमय
प्रहसमिपगभीनांभाउमरुयेमिठिउ
मा॥ धीरुमेगीमिलकुयंमारिकंमुल॥

माभिधुदमा॥ सुभावेवउकाभासमव
मीएदुपारिनी॥ उगमधम्वीमययहिनी
मीमारिकमुभुमी॥ उमीमारिकामे
उममुलंममायुभा॥ उमीमारिकठ
गवहैनभिनम॥ उिनमःसिवायनम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥